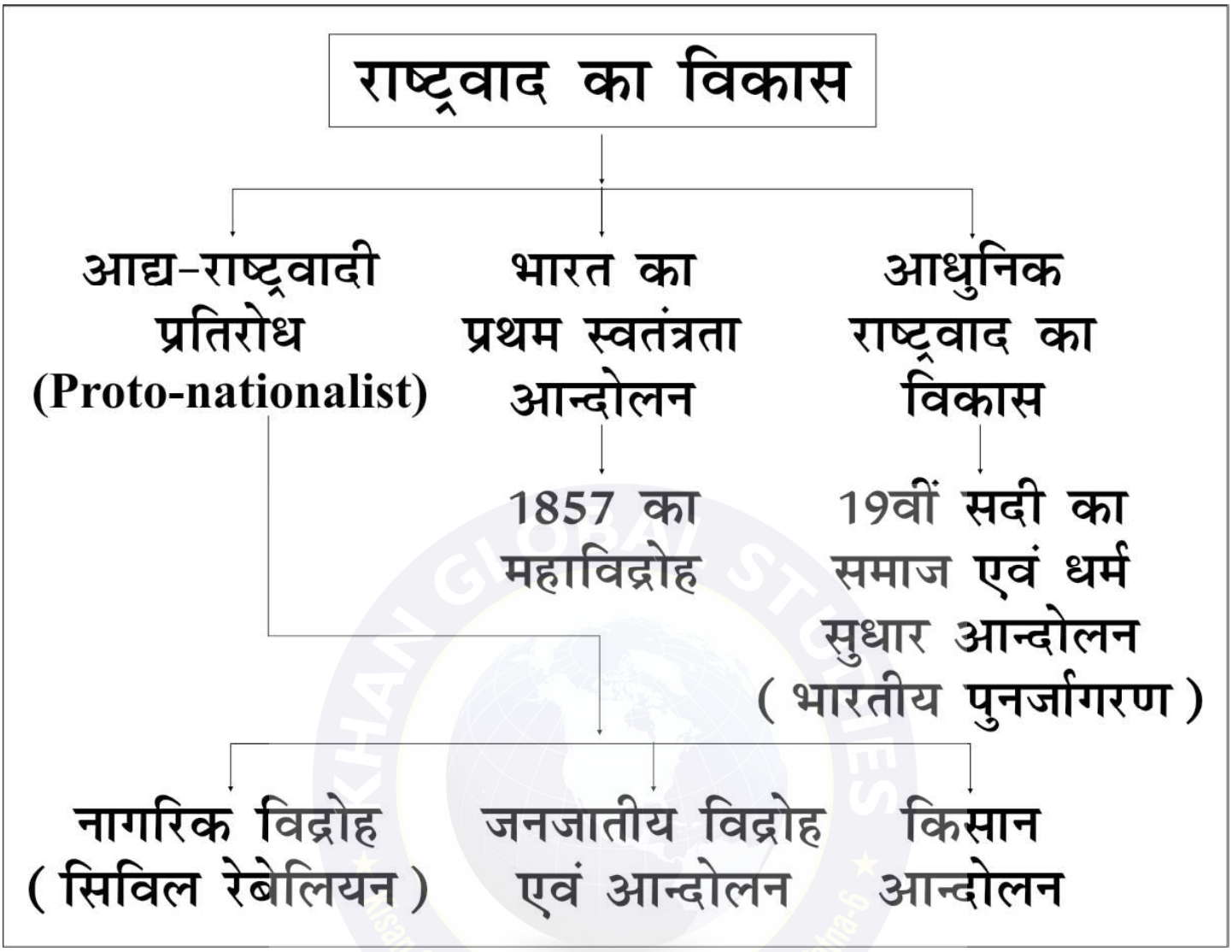
राष्ट्रवाद का विकास
आद्य-राष्ट्रवादी प्रतिरोध (Proto-nationalist)
भारत का प्रथम स्वतंत्रता आन्दोलन
आधुनिक राष्ट्रवाद का विकास
1857 का महाविद्रोह
19वीं सदी का समाज एवं धर्म सुधार आन्दोलन (भारतीय पुनर्जागरण)
नागरिक विद्रोह (सिविल रेबेलियन)
जनजातीय विद्रोह एवं आन्दोलन
किसान आन्दोलन

मुक्त व्यापार

राजनीतिक प्रभाव

अधिक से अधिक राज्यों का विलय।

अतः राजा, अधिकारी एवं सैनिक जैसे विस्थापित तत्वों के द्वारा विद्रोह

सामाजिक-सांस्कृतिक कारक

समाज सुधार के लिए कानून तथा ईसाई मिशनरियों की भूमिका के विरुद्ध असंतोष

सैनिक कारक

मुक्त व्यापार की नीति को लागू करने का एक माध्यम बंगाल सेना थी, परन्तु बंगाल सेना के सिपाहियों को अपनी स्थिति से असंतोष

ब्रिटिश सैनिक नियुक्ति में शिक्षित एवं साक्षर सैनिक चाहते थे। अतः सैनिकों में जाति संवेदनशीलता आ गई।

आर्थिक प्रभाव

शिल्प एवं कारीगरी का पतन इसके कारण लाखों की संख्या में कारीगर बेरोजगार